कॉलिशन ऑफ ध विलिंग की महिला विधायकों को

12 मई 2004

तेल के लिए न तो खून ना ही बलात्कार

इराक एवं अफघानिस्तान में ब्रिटैन और अमरिका के सैनिकों या उनके एजेंटों द्वारा स्त्रियों और लड़कियों पर बलात्कार और अन्य जातीय अत्याचारों के बारे में स्पष्टता करना

ब्लैक विमेन्स रेप एक्शन प्रॉजेक्ट और विमेन अगेन्स्ट रेप के द्वारा

अमरिका और ब्रिटन, दोनों की महिला विधायकों, हम आपको लिख रहे हैं। पिछले दशकों में पृथ्वी के हर कोने में हुए स्त्रियों के एक बहुत बड़े आंदोलन की वजह से कोंग्रेस और संसद में अब पहले से कई ज़्यादा महिलाएँ हैं। वे सभी स्त्रियाँ जिनके आंदोलन की वजह से आप वहाँ पहुँचीं हैं, उनके नाम पर आज के युद्ध, आधिपत्य, युद्ध के अपराध और अत्याचार, जिन में बलात्कार भी शामिल हैं, उन से पैदा हुई आपातकालीन स्थिति, जिसमें आपकी दोनों सरकारें सहअपराधी हैं, के बारे में हम आप से जवाब तलब करते हैं।

1. बलात्कार और स्त्रियों और लड़कियों पर हुए दूसरे अत्याचारों को ज़्यादातर छुपाया गया है

इराक में कैदियों की जातीय अवमानना, अत्याचार और हत्या, और बच्चों समेत नागरिकों के सड़कों पर और उनके घरों में क़त्लेआम की जानकारी हमारे टेलिविज़न के पर्दों पर फूट पडी है। अफघानिस्तान के बारे में भी सवाल किए जा रहे हैं। फिर भी जहाँ पुरुषों (और खास कर लड़कों पर) बलात्कार की घटनाओं को स्वीकार किया जा रहा है, वहीं स्त्रियों और लड़कियों पर हुए बलात्कार को शुरु में "एक सैनिक ने एक महिला कैदी के साथ संभोग किया" के नाम पर नज़रअंदाज़ कर दिया जाता था। लेकिन अब बड़ा सच सामने आ रहा है।

इराकी महिलाओं ने हमें बताया है कि स्त्रियों को पूछताछ कर, यंत्रणा दे कर उनके पुरुष संबंधियों के बारे में जानकारी पाने के लिए जेल में हैं। स्त्रियों के लिए यंत्रणा लगभग हमेशा बलात्कार से और कई बार सामूहिक बलात्कार से शुरु होती है। एक अमरिकी संवाददाता ने कहा कि "पिछले महीने अबु ग़रीब में बंद महिला कैदियों ने चोरी – छिपे पत्रिकाएँ बहार भिजवाईं जिनमें उन्होंने दावा किया है कि उन पर बलात्कार किया गया है।(एन गैरल्स, नेशनल पब्लिक रेडियो, 4 मई, 2004) बग़दाद विश्वविद्यालय से आई एक महिला जो कि एम्नेस्टी इंटरनैशनल के लिए काम करती है, उसने एक जाँच चौकी पर अपने खुद के साथ हुए दुर्व्यवहार और दूसरों से सुनने में आई बातों के आधार पर बताया, " *उसने लेसर रौशनी सीधी मेरी छाती के बीच के हिस्से पर घुमाई और फिर अपने शिश्न की ओर संकेत किया। उसने मुझ से कहा," इधर आओ कुतिया, मैं तुम्हारे साथ सोनेवाला हूँ।"........प्रोफेसर हुदा शकीर के अनुसार अबु ग़रीब जेल में कई महिलाओं के साथ जातीय दुर्व्यवहार किया गया, जिन में वह भी शामिल है, जिस पर एक अमरिकी सैनिक पुलिस ने बलात्कार किया और वह गर्भवती हो गई थी।* (लंदन, *गार्डियन,* 12 मई) दूसरे सूत्रों ने इसकी पुष्टी की है।

जिन भयानक स्थितियों में इराक की जेलों मे औरतों को रखा जाता है, उनका उल्लेख केवल स्वगतरुप से किया जाता है। इराक के मानवाधिकार मंत्री अब्देल बासत तुर्की, जिन्होंने पिछले महीने इस्तीफा दिया, कहा कि उन्हों ने पिछले नवंबर में मुख्य अमरिकी शासनाधिकारी पॉल ब्रेमर से अबु ग़रीब में स्त्रियों के साथ किए जाते व्यवहार के बारे में बात की थीः *"उन्हें चिकित्सा देने से इन्कार किया गया था। उनके पास ठीक तरह के शौचालय भी नहीं थे। सर्दियाँ होने के बावजूद उन्हें सिर्फ एक कम्बल दिया गया था। और उनके परिवारवालों को उनसे मिलने नहीं दिया जाता था।"* (लंदन *गार्डियन* 10 मई 2004)

रेडक्रॉस की आंतरराष्ट्रीय समिति की रिपोर्ट में स्त्रियों का उल्लेख तक नहीं है, और उनके संवाददाता ने केवल पुरुषों से मुलाकात की। (इस समिति की रिपोर्ट में इस बात का भी कोई उल्लेख नहीं है कि जेल की परिस्थिति के खिलाफ़ दंगे हुए थे और इराकियों की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी।)

● स्त्रियों पर होते यह हमले अदृश्य क्यों हैं? ● क्या आपने और दूसरों ने इसके बारे में सवाल किये हैं? ● यदि महिलाएँ यह सवाल नहीं उठातीं, तो पुरुष क्यों उठायेंगे? ● यदि आपने सवाल किये थे, तो आपको क्या जवाब मिला? ● अभी तक इनकी जानकारी आम जनता को क्यों नहीं दी गई?

2. ज़्यादातर स्त्रियाँ और लड़कियाँ इसके बारे में खुल कर बात नहीं कर पातीं

ब्लैक विमेन्स रेप एक्शन और विमेन अगेन्स्ट रेप जैसी संस्थाएँ, जो कई दशकों से स्त्रियों के लिए न्याय और सुरक्षा की माँग कर रहीं हैं और जो विश्वभर में बलात्कार से भाग कर आश्रय ढूँढनेवाली स्त्रियों के साथ काम करतीं हैं,अच्छी तरह से जानतीं हैं कि दुनिया के किसी भी कोने से आई बलात्कार से गुज़री महिला के लिए अपनी उस अग्नि परीक्षा के बारे में बात करना लगभग नामुमकिन होता है। वे अपमानित और भ्रष्ट महसूस करतीं हैं, क्योकि समाज और न्याय प्रक्रिया दोनों आम तौर पर औरत को ही उसके साथ हुई ज़्यादती के लिए ज़िम्मेदार ठहराते हैं। ब्रिटन और अमरिका दोनों ही में स्त्रियाँ कई बार अपने हमलावर पर चलाए जानेवाले मुकद्दमे को "दूसरा बलात्कार" कहतीं हैं, क्योंकि बलात्कारी को छुडवाने के लिए और औरत की विश्वसनीयता को खत्म करने के लिए उसकी मानसिक स्थिति और जाती ज़िन्दग़ी को सब के सामने रख दिया जाता है। अन्य देशों में बलात्कार का शिकार बनीं महिलाओं के ख़िलाफ़ द्वेष और भी तीव्र हो सकता है। बलात्कार के शिकार शादी न करने लायक, बहिष्कृत या मृत भी हो सकते हैं। हमने पढ़ा है कि सद्दाम के राज्यकाल में नौ साल जितनी छोटी उम्र की लड़कियों, जिन पर बलात्कार होता था उन्हें अस्पताल में चिकित्सा देने से इन्कार किया जाता था, और यही रिवाज़ अमरिकी आधिपत्य में चल रहे है।

एक इराकी महिला वकील ने बताया कि उनकी मुवक्किल, जो कि अबु ग़रीब की जेल में कैद थी,,"*अपने पर अमरिकी सैनिकों के द्वारा किए गए बलात्कार और फिर चाकू मारने का पूरा ब्यौरा देने से पहले बेहोश हो गई। पाँच पूर्व (महिला) कैदियों ने अपने वकीलों को बताया के उन्हें मारा–पीटा गया है। पर उन्होंने यह नहीं कहा कि उन पर बलात्कार किया गया है। "वे बहुत शर्मिन्दा हैं। "वे कहतीं हैं, हम आप से नहीं कह सकते। हमारे परिवार हैं। हम जो हुआ उसके बारे में बात नहीं कर सकते।" (लॉस एन्जलिस टाइम्स, 12 मई 2004) मेरी एक महिला सहकर्मी को हिरासत में ले कर (अबु ग़रीब) ले जाया गया था। जब मैं ने उससे रिहा होने के बाद पूछा कि वहाँ क्या हुआ, वह रोने लगी। बलात्कार के बारे में बात करना बहुत मुश्किल है। पर मुझे लगता है कि उसके साथ ऐसा हुआ था।"* प्रॉफेसर हुदा ने बताया कि अमरिकी सैनिक से गर्भवती हुई महिला अब गायब हो गई है और हो सकता है कि उसकी हत्या कर दी गई हो। *"जब मै उसके घर गई........ पडोसियों ने बताया कि उसने और उसके परिवार ने घर बदल दिया था।"* (लंदन *गार्डियन* 10 मई 2004)

सैनिकों के लिए कितनी सहूलियत की बात है कि वे स्त्रियाँ और लड़कियाँ जिन पर वे बलात्कार करते हैं, वे इतनी असुरक्षित हैं, कि सच नहीं बोल पातीं।

3. स्त्रियों पर हुए अत्याचारों की तसवीरें अखबारों में नहीं छपीं

क्योंकि बलात्कार से गुज़रीं स्त्रियाँ बहिष्कृत हो सकतीं हैं, या मार दीं जा सकतीं हैं, हमें उनकी पहचान छुपाए रखनी चाहिए। मगर फिर भी जब तक आरोप सिद्ध करने के लिए तसवीरों के रुप में प्रमाण न हों तब तक सत्ता स्थानों पर बैठे लोग जो हो रहा है उसे स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। बलात्कार और स्त्रियों और लड़कियों पर हुए दूसरे अत्याचारों के बारे में न तो कोई बयान दिया गया है और ना ही माफी माँगी गई है।

हम सैनिकों द्वारा स्त्रियों पर किए जा रहे बलात्कार की हमें भेजी गईं तसवीरें जो कुछ वेबसाइटस पर पहले से मौजूद हैं, आपको भेज रहे हैं। हमने स्त्रियों की पहचान को छुपा दिया है और ऐसी कोई भी तसवीर प्रकाशित नहीं करेंगे जिसमें स्त्रियों को पहचाना जा सके। माना कि हम इन तसवीरों की सच्चाई को साबित नहीं कर सकते, पर अब मिल रही दूसरी जानकारी से यह स्पष्ट है कि यह या ऐसे बलात्कार हुए हैं। हमने सुना है कि इस तरह की हज़ारों तसवीरें बेज़बॉल कार्डज़ की तरह सैनिकों में प्रचलित हैं और कम्प्यूटर के स्क्रीन सेवर्स के रुप में भी इस्तमाल की जा रहीं हैं। पेन्टागोन से यह कहा गया है कि वे तसवीरों वाली ऐसी कम से कम दो सी डी के बारे में जानते हैं जिन में कैदियों के साथ "दुर्व्यवहार" करते अमरिकी सैनिकों की कई सौ तसवीरें हैं जिन में *"एक इराकी कैदी को बेहोशी की हद तक पीटते, एक महिला कैदी के साथ संभोग करते, और एक लाश पर आँखें सेंकते"* सैनिकों की तसवीरें शामिल हैं। (लंदन *गार्डियन* 10 मई 2004)

बलात्कार और दूसरे जातीय अत्याचारों का अश्लिल साहित्य के रुप में उपयोग होना कोई नयी बात नहीं है। विमेन अगेन्स्ट रेप (वॉर) ने यह शिक़ायत की है कि "सामान्य" परिस्थिति में ब्रिटन में जेलों में वे तसवीरें और गवाहों के बयान जिन में महिला अपने पर हुए बलात्कार का वर्णन करती है, दोषी साबित हुए बलात्कारियों द्वारा और पुलिस कर्मियों में अश्लिल साहित्य के रुप में प्रसिद्ध किया जाता है।

4. हम जानना चाहते हैं

हम जानना चाहते हैं कि इराक में जेलों में और अन्य स्थानों पर ब्रिटिश और अमरिकी सैनिकों के हाथों स्त्रियों, खास कर उन स्त्रियों के साथ जिनका हम उल्लेख कर चुके हैं, क्या हो रहा है? हम जानना चाहते हैं कि अफघानिस्तान में शासक दलों के सैनिकों के हाथों स्त्रियों के साथ क्या हो रहा है? हम समझते हैं कि जो बर्बरता और हत्याएँ हो रहीं हैं उन में से ज़्यादातर सीआइए और गैरसरकारी सैनिक ठेकेदारों – जो कि भाड़े के सैनिकों के लिए अच्छा शब्द है – के द्वारा या उनके हुक्म पर हो रहे हैं। हम स्त्रियों और बच्चों के खिलाफ इनमें से किसी भी अपराध के दोषी किसी भी भाड़े के सैनिक के बारे में और उन्हे ये ज़ुल्म ढाने के लिए और/अथवा उनकी देखरेख करने के लिए कितना धन दिया गया था यह जानना चाहते हैं।

इनसे बिल्कुल उल्टे आंतरराष्ट्रीय पूर्वोदाहरण के बावजूद ब्रिटन और अमरिका के द्वारा आम तौर पर सरकारी एजेन्टों द्वारा बलात्कार को यंत्रणा नहीं गिना जाने की वजह से वह राज्याश्रय के लिए वजह नहीं बन सकता। फलस्वरुप औरतों को लगातार वह आंतरराष्ट्रीय

सुरक्षा प्रदान करने से इन्कार किया जाता है जिसके हम हक़दार है। उदाहरण के तौर पर उससे पूछताछ कर रहे सैनिकों के द्वारा बलात्कार किए जाने के बाद युगान्डा से भाग निकली एक पाँच बच्चों की माँ की ब्रिटन में राज्याश्रय की माँग को अधिकारियों द्वारा बार बार ठुकरा दिया गया। उन्होंने कहा कि यह बलात्कार केवल "जातीय तुष्टी" और "साधारण कामवासना" था, अत्याचार या उत्पीडन नहीं। आखिर जब उसने गुमनामी छोड कर सामने आने का फैसला किया ताकि हम उसके किस्से को लोगों के सामने ला सकें, और जब हमने जानी – मानी महिलाओं से उसे सहाय करने की माँग की, तब, आखिरकार उसे 2003 में राज्याश्रय का अधिकार मिला।

जहाँ बलात्कार युद्ध तक सीमित नहीं है, वहीं सभी स्वीकार करते हैं कि युद्ध में बलात्कार अवश्यंभावी है। युद्ध करने के लिए पुरुषों और अब महिलाओं को (क्योंकि हम से कहा गया है कि समानता पाने का एकमात्र रास्ता यह है कि हू ज़्यादा से ज़्यादा पुरुषों की तरह हो) हत्या करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। अगर एक बार हत्या स्वीकारणीय बन जाए, तो बलात्कार कोई खास नैतिक समस्या नहीं है। और सामूहिक हत्याकाण्ड के समय में बलात्कार को गंभीरता से लिया जाना और भी मुश्किल है। जहाँ इराकी मृतक संख्या को अप्रस्तुत समझा जाता है (मृतक संख्या अमरिकी और ब्रिटिश सैनिकों के लिए है, इराकी या अफघानी सैनिकों या नागरिकों की भी नहीं है।) क्या हमसे यह उम्मीद नहीं की जाती कि हम इराकियों और अफघानियों पर हुए बलात्कार और दूसरे अत्याचारों पर ध्यान न दें या उन्हें नज़रअंदाज़ करें?

● *तो फिर अब स्त्रियों और बच्चों पर हुए बलात्कार को युद्ध के आश्चर्यजनक परिणाम के रुप में क्यों देखा जा रहा है?* ● *जब यह चर्चा चल रही थी के युद्ध किया जाए या नहीं, तब बलात्कार के बारे में कोई सवाल क्यों नहीं उठाया गया?*

संरक्षण मंत्री ज्योफ हून ने अमरिकी और ब्रिटिश सैनिकों द्वारा किए जा रहे अत्याचारों की तसवीरों पर टिप्पणी करते हुए कहा, *"मुझे नहीं लगता कि यह यंत्रणा है : यह दुर्व्यवहार है। मैं इस में पूछताछ के लिए व्यवस्थित यंत्रणा देने का प्रमाण नहीं देख सकता।"* (लंदन *गार्डियन* 7 मई) डॉनाल्ड रम्सफिल्ड ने सब के सामने कहा है कि इससे भी अधिक अत्याचार दिखातीं तसवीरें और वीडियो अभी आनेवाले हैं; ऐसा माना जाता है कि उन में स्त्रियों और बच्चों के साथ हुए बलात्कार के दृश्य हैं।

● *अगर जो हमने अभी तक देखा है वह अत्याचार नहीं माना जाता, तो इन बलात्कारों को किस दृष्टिकोण से देखा जाएगा?* ● *बलात्कार के बारे में जो और जानकारी सामने आएगी उसके बारे में आप क्या करेंगी?* ● *क्या आप ब्रिटिश सरकार की खास मानवाधिकार दूत एन क्लॉइड ने जो शुरुआत में किया उस तरह ऐसा कह कर सफाई देंगी कि यह इतना बुरा नहीं है जितना सद्दाम हुसैन ने किया? वे अब कहतीं हैं कि उन्हें रेड क्रॉस की आंतरराष्ट्रीय समिति की रिपोर्ट कभी दिखाई ही नहीं गई थी। क्या वे इस्तीफा देंगी?*

5. महिला सैनिकों के साथ और सैनिकों के परिवारों में बलात्कार

● *जिन अफसरों, सैनिकों और भाडे के सैनिकों को इस तरह से दण्डभाव के साथ बलात्कार, अत्याचार और हत्या के लिए प्रशिक्षित किया जाता है, उनके परिवारों पर क्या असर होता है?*● *वे कितनी बार इन्हीं आदमियों के हाथों बलात्कार और दूसरे अत्याचारों का सामना करते हैं?*● *उन्हें कितनी बार न्याय मिलता है?*

हमारी सहकर्मी , भूतपूर्व वायुदल कप्तान डोरोथी मेकीने एक लम्बे पत्र में सैनिक प्रशिक्षण और युद्ध की महिला सैनिकों और सैनिकों के परिवार पर होतीं असरों का वर्णन किया है। खुद रेव. मेकी पर अमरिकी सेना में बलात्कार हुआ था, और वे ऐसी कई अन्य महिलाओं (और कुछ पुरुषों) के संपर्क में हैं जिन्होंने या तो सेना में या सैनिकों के साथी के रुप में इस हिंसा का सामना किया है। वे यह स्पष्ट करतीं हैं कि सेना में स्त्रियों पर बलात्कार को तंत्र भी क्षम्य समझता है। सैनिक द्वारा स्त्रियों पर किये जाते बलात्कार को उसकी तनख्वाह का एक हिस्सा समझा जाता है, जिसकी कीमत सरकार नहीं पर महिलाएँ उठातीं हैं। हम आप को रेव. मेकी के लेख के कुछ हिस्से भेज रहे है।। माँगने पर और विस्तृत और सर्वग्राही दस्तावेज उपलब्ध हो सकते हैं। रेव. मेकी ने हमें बलात्कार के आरोपों की सच्चाई जाँचने के लिए अमरिकी सेना द्वारा इस्तमाल की जाती हास्यास्पद "मेक डॉवल्स स्कोरिंग" पद्धति भी भेजी है। खुद छानबीन कर रहे और किसी को भी जवाबदेह नहीं ऐसे ये लोग बलात्कृत महिला के खिलाफ हर पूर्वग्रह को इस्तमाल कर उन्हें झूठा करार देने की कोशिश करते हैं।

अब हम सुनते हैं कि सौ अमरिकी महिला सैनिकों ने दावा किया है कि इराक में फर्ज़ निभाते समय उनके सहकर्मियों ने उन पर बलात्कार किया।

● *क्या जो औरतें इराक और अफघानिस्तान में बलात्कार के आरोप ले कर आगे आएँगी उनको उखाड फेंकने के लिए यह और इनके जैसे जातिवादी तरीके अपनाये जाएँगे?* ● *क्या आप यह देखेंगी कि इन घटनाओं की छानबीन जिन सत्ताधारियों पर इस हिंसा का आरोप लगाया गया है उनसे स्वतंत्र व्यक्तियों द्वारा की जाए?*

6. हम कांग्रेस और संसद की सदस्य स्त्रियों से उत्तरदायित्व की माँग करते हैं

हम यह मानने को तैयार नहीं हैं कि इस मामले में सत्ताधारियों ने "देखा अनदेखा किया"। इस बात का अधिकाधिक प्रमाण मिलता जा रहा है कि बलात्कार समेत अत्याचार के कई स्वरुपों के हुक्म सीधे उच्चाधिकारियों से आए थे। ना ही हम यह स्वीकार करते हैं कि ब्रिटिश सरकार अमरिकी सेना की प्रवृत्तियों की ज़िम्मेदारी नहीं लेती और अमरिकी सरकार ब्रिटिश सेना की। कोलिशन ऑफ ध विलिंग का अर्थ संयुक्त ज़िम्मेदारी होना चाहिए।

● *ऐसा क्यों है कि जिन* ***महिला*** *सैनिकों ने इन अत्याचारों में हिस्सा लिया है, पहले उनके नाम लिए जा रहे हैं और उन पर पहले मुकद्दमा चलाया जा रहा है?* ● *क्यों किसी भी उच्च पदवाले व्यक्तिने इस्तीफा नहीं दिया है?*● *क्या आप ऐसी माँग करेंगीं कि वे अब ऐसा करें और उन पर कानूनी कार्रवाई की जाए?*

हम कह रहे हैं, बिनती कर रहे हैं, असल में माँग कर रहे हैं कि स्त्रियों और बच्चों पर बलात्कार के मामले में, जो कि आपकी सरकारों द्वारा इराक और अफघानिस्तान में युद्ध और आधिपत्य के दौरान किये गये हैं, कोंग्रेस और संसद में शामिल सभी महिलाएँ जवाबदेह हैं। हमें पूरी जानकारी चाहिए और हम यह जानना चाहते हैं कि आप व्यक्तिगत रुप से और संयुक्त रुप से इसके बारे में क्या करने का इरादा रखतीं हैं।

हमें यह बताना होगा कि 'सामान्य' परिस्थिति में भी कानून और व्यवस्था ने हमेशा बलात्कारी को बचाने के रास्ते ढूँढ निकाले हैं।

यू के में सोहाम का हत्यारा इयान हन्टली, जिसके खिलाफ 2003 में आरोप सिद्ध हुए, के खिलाफ स्कूली विद्यार्थिनियों हॉली चेपमेन और जेसिका वेल्स की हत्या से पहले नौ बार जातीय हमलों और बलात्कार की शिकायतें दर्ज करायीं गईं थीं। बलात्कार के मामलों से निपटते समय हमारी फौजदारी न्याय व्यवस्था में आदतन यह जातिवादी अभिगम अपनाया जाता है। राष्ट्रीय स्तर पर घरेलू हिंसा के दर्ज किए गये मामलों में से केवल 5 प्रतिशत और बलात्कार के 6 प्रतिशत से भी कम मामलों में अपराध सिद्ध होता है। प्रमाण (बलात्कृत महिला के पुलिस को दिये गये बयान से ले कर)इकट्ठा करने में और यह निर्णय करने में कि मुकद्दमा चलाया जाए या नहीं, लापरवाही और अक्षमता फैल जाते हैं। न्यायालयमें वहाँ तक पहुँचनेवाले मामलों में से 23 प्रतिशत में उस स्त्री या लड़की पर "मुकद्दमा चलाया जाता है" और मुकद्दमा चलानेवाले वकील और न्यायाधीश उसे असुरक्षित छोड देते हैं। बलात्कार का भोग बनीं वे महिलाएँ जो अश्वेत, दूसरे देशों से आ कर बसीं, मज़दूर वर्ग से, अकेली माँ, बालक, वृद्ध, समलिंगी, शारीरिक या मानसिक रुप से अस्वस्थ हों, जिन पर उनके हालीया या भूतपूर्व साथी ने हमला किया हो, रुपजीविनी हो या उसका गुनाहित भूतकाल हो तो उन्हें न्याय या सुरक्षा मिलने की संभावना और भी कम हो जाती है, खासकर तब जब उन पर हमला करनेवाला उनसे ऊँचे सामाजिक स्तर से हो। पुलिस अधिकारी, सैनिकों और जेल के पहरेदारों के द्वारा किए गये बलात्कार या जातीय दुर्व्यवहार की पुलिस से तहकीकात करवाना और राज्य की न्याय शाखा से उन पर मुकद्दमा चलवाना भोग बननेवाली महिला सह कर्मचारी हो तब भी बहुत मुश्किल है। *हम अपनी फाइलों में से इसका दस्तावेज़ी प्रमाण दे सकते हैं।*

इ मेल: bwrap@dircon.co.uk war@womenagainstrape.net
क्रॉसरोडज़ विमेन्स सेन्टर 230ए केन्टिश टाउन रोड, लंदन एनडबल्यु5 2एबी टेलिफोन नं 020 7482 2496
Crossroads Women's Centre 230a Kentish Town Rd, London NW5 2AB Tel 020 7482 2496